the State to popularise nursing education in the State; and

(d) if so, the details thereof and, if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SALEEM IQBAL SHERVANI): (a) As per information received from Government of Gujarat 15 recognised General Nursing Midwifery (GNM) Schools and One recognised Nursing College are functioning in that State.

(b) 259 candidates passed out from GNM School in 1996. The first batch of Nursing College is yet to pass out.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

जिला अस्पताल सुलतानपुर में चिकित्सा सुविधा

2509. **श्री राजनाथ सिंह:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि सुलतानपुर जिला अस्पताल, उत्तर प्रदेश में कोई आधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है और राज्य और केन्द्रीय सरकार द्वारा आबंटित धनराशि का बड़े पैमाने पर दुरूपयोग किया गया है और पिछले दो वर्षों के दौरान कोई जीवन-रक्षक दवाइयां और उपकरण नहीं खरीदे गए हैं;

(ख) क्या प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), कूरेभार, जिला सुलतानपुर में मूलभूत चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को गैर-सरकारी परिचर्या-गृहों का सहारा लेना पड़ता है;

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) सरकार द्वारा कूरेभार स्वास्थ्य केन्द्र में सुधार लाने और वहां बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

Proposal to Establish a Central Research Institute of Homoeopathy for Aids in Noida

2510. SHRI JALALUDIN ANSARI:
SHRI GAYA SINGH:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether there is a proposal under Government's consideration to establish a Central Research Institute of Homoeopathy for research in AIDS and land for which has already been purchased in NOIDA, U.P.;

(b) if so, the details thereof, including the cost of the land and other expenses incurred; and

(c) by when the Institute is expected to be fully functional?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SALEEM IQBAL SHERVANI): (a) to (c) The Central Council for Research in Homoeopathy, an autonomous organisation of this Ministry had submitted a proposal for the consideration of its Governing Body for marger of Drug proving Research Unit-Ghaziabad, Clinical Verification Unit-Ghaziabad and Drug Standardisation Unit-Ghaziabad with the existing Regional Research Institute, New Delhi and upgrading the Regional Research Institute into a Central Research Institute for Homoeopathy. The proposal of the Council had been approved by the Governing Body as well as the Scientific Advisory Committee of the Council In pursuance of that decision land measuring one acre was purchased on lease basis from NOIDA authorities at a cost of Rs. 15,15,711 in 1988. The Council has till date spent a sum of Rs. 2.46 lakhs as Stamp duty, Rs. 2.81 lakhs for construction of boundary wall, Rs. 1.89 lakhs as lease rent and also Rs. 4.16 lakhs as one time lease rent. An amount of Rs. 2.47 lakhs was also spent towards expenditure on security.

2. The main objective/activities of the Institute would be:

(i) To carry out research studies on the diseases conditions
  (a) bronchial asthma
  (b) Skin disorders
  (c) diabetes
  (d) HIV/AIDS

(ii) Clinical Confirmation of the pathogenesis of drugs proved by the Council and other partially proved drug.

(iii) Drugs proving Research—to conduct proving of homoeopathic drugs on health human—beings;

(iv) Literary Research

3. Proposal for getting the approval of Expenditure finance Committee of the government has been prepared and circulated by the Council. Construction activities of the complex would be taken up in phased manner subject to budgetary support provided by the Planning Commission as the scheme is envisaged under Plan side.

नसबंदी/टयूबेक्टामी ऑपरेशन हेतु निर्धारित लक्ष्य

2511. **श्री गया सिंह:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान परिवार कल्याण के अंतर्गत नसबंदी/टयूबेक्टामी हेतु तथा जनसंख्या में वृद्धि रोकने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था; उस लक्ष्य को किस सीमा तक प्राप्त कर लिया गया है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) जनसंख्या में वृद्धि को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) लक्ष्य कुल बंध्यीकरण के लिए निश्चित किए गए थे न कि नसबंदी व नलबंदी के लिए अलग-अलग से 18वीं योजना के पहले चार वर्षों के दौरान, सूचना इस प्रकार है:—

बंध्यीकरण

वर्ष	लक्ष्य	प्रतिशत उपलब्धि
1992-93	5275640	81.2
1993-94	5183100	86.8
1994-95	5326380	86.0
1995-96	5031650	79.2

(ख) परिवार कल्याण कार्यक्रम ने कई राज्यों में जन्म दर कम करने में काफी अच्छा योगदान दिया है। 9वीं योजना में पिछड़े रहे राज्यों/जिलों में उल्लेखनीय प्रभाव डालने के लिए प्रयत्न किए जाएंगे। राज्यों में स्वास्थ्य परिचर्या पद्धति को मूलभूत ढांचे और कार्य पद्धति के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत किया जा रहा है। सरकारी स्वास्थ्य परिचर्या पद्धति द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर दिया जा रहा है। गर्भ निरोधक लक्ष्यों को स्थापित करने की पद्धति को ऊपर के स्तर से पिछले वर्ष सामुदायिक सहभागिता के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर विकेन्द्रीकृत योजना की एक पद्धति द्वारा बदला गया है।

(घ) कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा परिषद द्वारा निर्धारित किये गये न्यूनतम मापदंड को पूरा न करने के कारण शिक्षा के गिरते हुए स्तर को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित न्यूनतम मापदंड को पूरा किया जाना

2512. **श्री मूलचन्द मीणा:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री:** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देशभर में आयुर्वेद/यूनानी विश्वविद्यालयों का ब्यौरा क्या है;

(ख) भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या कितनी है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता-प्राप्त उन विश्वविद्यालयों की संख्या कितनी है, जो परिषद् द्वारा निर्धारित न्यूनतम मापदंड को पूरा कर रहे हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और